

143, 4. भूरे चक्रे युज्यैभिर्भस्मे समानेभिर्वृषभ पौर्ण्येभिः 163, 7. गो मे राज-
न्युज्यो वा सखा वा स्वप्ने भयमारु 2, 28, 10. 6, 3, 8. सन्तोमक्ति युज्यैर्भित्तु देवैः
7, 39, 6. 10, 99, 4. AV. 5, 11, 9. — b) *angemessen, passend, geeignet*;
gleichartig, zusammengehörig: सखा RV. 1, 22, 19. शवः 32, 7. 156, 2. 6,
21, 7. पयः 32, 10. यस्ते मदी युज्यशारुस्ति 7, 22, 2. 9, 88, 1. रयिः 7, 36, 7.
37, 5. 8, 4, 12. 46, 19. VS. 19, 3. — 2) n. *Bund; Zusammengehörigkeit*,
Verwandtschaft: यूयं न भूमि तमघं युज्याय देवाः RV. 2, 28, 3. युज्य, स-
खित्व, धात्र 4, 28, 2. 7, 19, 9. 8, 4, 15. तुविद्युमस्य युज्या (d. i. युज्यमा) वृणी-
महे 79, 2. 9, 66, 18. — 3) *जमदग्नेर्जतं युज्यम्* (v. l. für युज्यम्) N. eines Sa-
man Ind. St. 3, 217, a.

युज् s. u. 2. युज् 1).

युज्यक (von 1. युज्) adj. *vollziehend, ühend*: ध्यान° Verz. d. Oxf. H. 33, a, 9.

युज्यन् N. pr. einer Oertlichkeit Verz. d. Oxf. H. 338, b, 44. पु° v. l.

युज्यवत् m. N. pr. eines Berges MĀK. P. 130, 12 fehlerhaft für मु°.

युज्यान 1) partic. adj. s. u. 1. युज् — 2) m. a) *Wagenlenker*. — b) *ein Brahmane (विप्र)* MED. n. 111. *eher ein im Joga befindlicher Brahmane*, wie Wilson aniebt.

युज्यानक adj. *das Wort युज्यान enthaltend* gaṇa गोषदादि zu P. 5, 2, 62.

1. युत् (von 3. यु) adj. *fernhaltend, abwendend*; s. द्वेषो°.

2. युत्, योतते = जुत् glänzen Dhātup. 2, 30.

1. युत 1) partic. adj. von 2. यु; s. das. — 2) n. *ein best. Längenmaass*: *vier Handlängen (कस्त)* MED. t. 48.

2. युत partic. adj. von 3. यु; s. das.

1. युतक (von 1. युत) 1) adj. = युक्त *verbunden* H. an. 3, 85. fg. MED. k. 142. fg. — 2) n. a) *eine Art Gewand (वस्त्रभेद)* TRIK. 3, 3, 18. *eine Art Frauengewand (स्त्रीवस्त्रभेद)* H. an. *Saum eines Gewandes (पटाञ्चल)* ebend. *Saum eines Frauengewandes (नारीवस्त्राञ्चल)* MED. — b) = *चलनाय* H. an. MED. = *श्रूपाय* NĀNĀRTHARATNAM. im ÇKDr. — c) = *संशय Zweifel* TRIK. H. an. MED. = *संशय Zuflucht* NĀNĀRTHARATNAM. — d) = *युग, युग* Paar H. an. MED. — e) = *मैत्रीकरणा* *das Sichbefreunden* ÇABDAR. im ÇKDr.

2. युतक (von 2. युत) n. = योतक TRIK. 3, 3, 18. H. an. 3, 85. MED. k. 142. fg.

युतैद्वेषस् (2. युत + द्वे°) adj. *von Feinden befreit* RV. 1, 53, 4.

युति (von 2. यु) f. 1) *das Zusammentreffen, Zusammenkommen* SŪRJAS. 3, 41. 6, 15. 21. *मुह्युति mit Freunden* VARĀH. BRH. S. 71, 10. 93, 42. 99, 7. — 2) *das Versehenwerden mit* (instr. oder im comp. vorangehend), *das in-den-Besitz-Gelangen von*: धनेः VARĀH. BRH. S. 71, 7. रत्न° 12. — 3) *Summe* SŪRJAS. 3, 8. 20. 4, 20. 10, 6. 8. — Vgl. गन्ध°, यत्°, यूति.

युत्कारै (2. युध् + कार) adj. *kämpfend* RV. 10, 103, 2.

युद्धं (partic. praet. pass. von 1. युध् 1) adj. *bekämpft* R. 5, 78, 10. — 2) n. *Kampf, Schlacht* AK. 2, 8, 2, 72. H. 796. HALĀJ. 2, 298. RV. 10, 54, 2. *नाराजकस्य युद्धमस्ति* TBa. 4, 5, 1. देवा वा असुरैर्युद्धमुपप्रायन् AIR. Br. 3, 39. *उतेव युद्धेनेतेव मायाय* 6, 36. ÇAT. Br. 13, 1, 5, 6. KĀTJ. Çr. 20, 2, 8. KAUSH. UP. 3, 1. M. 7, 190. 198. fg. R. 2, 73, 25. VARĀH. BRH. S. 4, 12. *क्षत्रियाणां स्वधर्माचरणं युद्धम्* MADHUS. in Ind. St. 1, 22, 1. *युद्धे विनाशो भवति कदाचिदुभयोरपि* Spr. 2493. *सुतुमुल* MBH. 1, 1176. *युद्धे पराश्रुतैः* 3, 1759. *युद्धानिर्वर्तिन्* H. 793. *युद्धं शिञ्जत कुक्कुटात्* Spr. 2494. *युद्धे शूरं* VI. Theil.

जानीयात् 332. यत्राहुद्वे ध्रुवो मृत्युर्युद्धे जीवितसंशयः । तमेव कालं युद्धस्य प्रवर्तित मनीषिणः ॥ 2293. °कालं 2493. न युद्धयोग्यतामस्य पश्यामि सह रान्तसैः R. 1, 22, 2. PAŚĀT. 87, 15. येन युद्धे तव तमम् R. 4, 9, 40. चिरकालस्थितं ह्येतद्युद्धं मे राघवेण 6, 34, 22. तपोर्बभूव युद्धं तुमुलम् RAGH. 3, 57. त्वं युद्धापाभिनिर्याहि रामस्य R. 6, 27, 19. युद्धाय निरगाद्धिषाम् KATHĀS. 54, 217. अत्र युद्धे मया दत्तं रावणस्य पुनः पुनः । पततुपुनर्लैघोरम् R. 3, 72, 20. प्रदद्यान्मे यो ऽयं युद्धम् 4, 9, 49. 38. 40. दानवैः साकं प्राप्तयुद्धेन व-
ञ्जिणा KATHĀS. 17, 18. अ° MBH. 3, 7469. सुयुद्धमेव तत्रापि समाचरेत् M. 7, 176. मन्मथ° R. 1, 37, 7. ऊडु° Spr. 939. वृत्तयुद्धा (यू) KATHĀS. 60, 57. °शक्ति Verz. d. Oxf. H. 24, b, 32. fg. In der Astr. *Planetenkampf, Opposition* SŪRJAS. 7, 1. 19. fg. VARĀH. BRH. S. 17, 1. fgg. 18, 8. 47, 1. — Vgl. कूट°, यत्°, द्वेद°, प्रति°, बाहु° (auch MBH. 3, 11973), मित्र°, मुष्टि°, रथ°, वाद°.

युद्धक n. = युद्ध KATHĀS. 49, 71.

युद्धकाण्ड (युद्ध + का°) n. *das Buch von der Schlacht*, Titel des 6ten Buches in Vālmiki's Rāmājana und im Adhātmarāmājana R. GORR. 4, 4, 95. Verz. d. Oxf. H. 29, b, 18.

युद्धकारिन् (युद्ध + का°) adj. *kämpfend*; davon nom. abstr. °कारिव Spr. 4383.

युद्धकीर्ति (युद्ध + की°) m. N. pr. eines Schülers Çāṁkarākārja's Verz. d. Oxf. H. 248, a, 2.

युद्धजयाणव (युद्ध-जय + अणव) m. Titel eines Abschnittes im Ġjo-
tiḥçāstra Verz. d. Oxf. H. 7, a, 3 v. u. 292, a, 1 v. u.

युद्धजयोपाय (युद्ध-जय + उ°) m. Titel einer Schrift Verz. d. B. H. No. 910.

युद्धयूत s. u. यूत.

युद्धपुरी (युद्ध + पु°) f. N. pr. einer Stadt: °माहात्म्य MACK. Coll. 1, 81.

युद्धभू (युद्ध + भू°) f. *Kampfsplatz* KATHĀS. 48, 1.

युद्धभूमि (युद्ध + भू°) f. dass. MBH. 8, 763. 2899. HARIV. 13817. KĀM. NĪTIS. 18, 33. KATHĀS. 23, 125. 43, 122.

युद्धमय (von युद्ध) adj. *aus dem Kampf hervorgegangen, darauf beru-
hend*: दर्प MBH. 3, 7090.

युद्धमष्टि (युद्ध + मु°) f. N. pr. eines Sohnes des Ugrasena VP. 436.

युद्धमेदिनी (युद्ध + मे°) f. *Kampfsplatz* HARIV. 13669 = R. 6, 19, 16.

1. युद्धरङ्ग (युद्ध + रङ्ग) m. *Kampfbühne, Kampfsplatz* MBH. 7, 3590. HARIV. 3383. 16023.

2. युद्धरङ्ग (wie eben) adj. *dessen Bühne die Schlacht ist*; m. Bein. Kārttikeja's ÇABDAR. im ÇKDr.

युद्धवत् adj. von युद्ध gaṇa बलदि zu P. 5, 2, 136.

युद्धवस्तु (युद्ध + वस्तु) n. *Kriegsgeräte* KĀM. NĪTIS. 19, 34.

युद्धवीर (युद्ध + वीर) m. *ein Held in der Schlacht*, neben दानवीर, धर्म° und दया° Verz. d. Oxf. H. 166, b, 28. fg. SĀH. D. 89, 3. 12. He-
roismus als रस 233.

युद्धशालिन् (युद्ध + शा°) adj. *tapfer* R. 5, 83, 25.

युद्धसार (युद्ध + सार) m. *Pferd* ÇABDAR. im ÇKDr.

युद्धाचार्य (युद्ध + आ°) m. *Fechtlehrer* M. 3, 162.

युद्धाजि (युद्ध + आ°) m. N. pr. eines Mannes mit dem patron. Āṅgi-
rasa Ind. St. 3, 208, b. — Vgl. रणाजि; für यौधाजय müsste aber eine
Form युधाजि angenommen werden.

